श्रम और संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री लारंग साय) :(क) 1968 में मंत्रालय को पता चला कि सहकारी भंडारों में भारी घाटा हो रहा है और कोयला खान कल्याण संगठन द्वारा दिए गए ऋणों की अदायगी नहीं की जा रही है। 30-6-77 की स्थिति के अनुसार, अदा किये जाने वाले मूल की राशि 42.06 लाख रुपये है। 42.41 लाख रुपये का ब्याज भी देय हो गया है।

(ख) और (ग). कोयला खान श्रम कल्याण संगठन की सलाहकार समिति की उप-समिति ने 1969 में स्थिति की पुनरीक्षा की और उसकी सिफारिशों के अनुसार, सहकारी भंडारों और सोसायटियों को और ऋण तथा सहायता देना रोक दिया है। रजिस्ट्रार „ सहकारी सोसायटी, बिहार, से भी सहकारी भंडारों के कार्य की जांच करने के लिए अनुरोध किया गया। भंडारों के कार्य को सुधारने तथा सोसायटियो को दिए गए ऋण की धन राशि वसूल करने के प्रयास किए जा रहे हैं। 1-4-75 से 30-6-77 तक की अवधि के दौरान ऋण की मूल धन राशि के रूप में 3.70 लाख रुपये वसूल किए गए है। चूंकि बकाया धन राशि की वसूली करने तथा ऐसी भारी बकाया धन राशि के लिये जिम्मेवारी निर्धारित करने के लिए प्रशासकीय कारंवाई की जा रही है, अत: यह आवश्यक नही समझा गया है कि इस समय मामले की जांच उच्च स्तरीय अधिकरण द्वारा करवाई जाए।

कोयला खान कल्याण आयुक्त के पद का रिक्त होना

2263. श्री रीतलाल प्रसाद वर्मा : क्या संसदीय कार्य तथा श्रम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या कोयला खान कल्याण आयुक्त का पद गत 6 महीनों से रिक्त पड़ा है और यदि हां तो उसे अब तक न भरे जाने के क्या कारण हैं?

श्रम और संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री लारंग साय) : कोयला खान कल्याण आयुक्त के पद के लिए कुछ अधिकारियों का चयन 15-4-1977 से पहले, जब यह पद खाली हुआ था, किया गया था, परन्तु इन अधिकारियों को उन के मूल विभागों द्वारा रिलीज नहीं किया गया था। उपयुक्त अधिकारी शीघ्र ही तैनात कर दिया जायगा।

कोयला खान श्रम कल्याण निधि में अनिर्णित पड़े सतर्कता सम्बन्धी मामले

2264. श्री रीतलाल प्रसाद वर्मा : क्या संसदीय कार्य तथा श्रम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या कोयला खान श्रम कल्याण निधि के अन्तर्गत बड़ी संख्या मे सतर्कता मामले कई वर्षो से अनिर्णीत पड़े है; और यदि हां, तो इस के क्या कारण है; और

(ख) क्या सरकार का मामलों को 5-6 महीनो में निपटाने के लिये उनका कोई योजना बनाने का विचार है?

श्रम तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री लारंग साय) :

(क) कोयला खान कल्याण संस्था में सतर्कता के 16 मामलें अनिर्णीत पड़े हैं। पांच मामलों में जांच पूर्ण कर ली गई हैं और शेष मामले जांच की विभिन्न अवस्थाओं में है। चूंकि ये जांचें अर्ध-न्यायिक स्वरूप की हैं, इस लिए देरी होने से सदा नहीं बचा जा सकता।

(ख) संबंधित अधिकारियों को इस आशय की हिदायतें दे दी गई है कि वे अनिर्णित जांचों को प्राथमिकता के आधार पर निपटायें ।

Kashmir

2265. SHRI MANORANJAN BHAKTA: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether any negotiations have taken place between India and Pakistan recently to settle the Kashmir issue and if so, the details thereof; and

(b) whether any efforts have been made to promote better trade and economic and political relations between the two countries; if so, the full facts?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI S. KUNDU): (a) No talks on this question have taken place recently between India and Pakistan.

(b) Efforts are continuing to promote better trade, economic and political relations between the two countries. For instance, the working of the Indo-Pak Trade Agreement of January 1975 was reviewed in April, 1977, to remove difficulties and ensure smooth flow of the trade During its visit to Pakistan in October 1977, a delegation of the Indian Oil Corporation signed an agreement for import of Furnace Oil and Naptha from Pakistan. Railway authorities of the two countries have also been in constant touch to ensure speedy movement of goods between the two countries. An official level meeting is likely to be held shortly. The two Government also have recently signed an agreement in New Delhi on consular facilities for their airlines personnel on August 31, 1977, and an agreement on telecommunications in Islamabad in October 1977. Both countries have unilaterally announced their willingness to repatriate detenus of the other country in custody with them. The two-way repatriation of such detenus has taken place from time to time. India also facilitated the quick return of passengers of Cessna Sky Hawk aircraft which crash-landed in Indian territory in September, together with the damaged plan. Travel between the two countries has been proceeding normally.

Export Oriented Plants

2266. SHRI K. RAMAMURTHY: Will the Minister of STEEL AND MINES be pleased to state:

(a) whether three big export-oriented projects to be financed by foreign capital, an aluminium plant, a big iron plant and a sinter-feed and pelletisation plant, are on the anvil; and

(b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF STEEL AND MINES (SHRI KARIA MUNDA): (a) and (b). Government is considering the possibilities of setting up a number of export-oriented projects like alumina/aluminium plants based on the East Coast bauxite deposits, sinter feed and pellet plant based on Donimalai deposits and port based steel plants.

As the size of the projects are likely to be large, involving considerable capital investment and use of sophisticated technology, efforts are being made to consider establishment of these projects in collaboration with expert foreign parties on "production cooperation" basis involving export of products from these projects.

Legislation for Welfare of Agricultural Workers

2267. SHRI K. RAMAMURTHY: Will the Minister of PARLIAMENTARY AFFAIRS AND LABOUR be pleased to state:

(a) when the bill for the welfare of agricultural workers which was approved by the Standing Committee